HINDI ENGLISH

THURSDAY, 29 MAY 2025

अभीतक न्यूज

नेशनल

MORE NEWS

अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस: वनरोपण की पहल हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की मरम्मत करती है

Updated on Wednesday, December 11, 2024 15:59 PM IST

Share Tweet Email Share Share

ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए संवर्धित हरित आवरण महत्वपूर्ण है

पर्यावरण वैज्ञानिकों के अनुसार, हिमालय, जैव विविधता हॉटस्पॉट, जहाँ हजारों प्रजाति के पौधे, पक्षी और स्तनधारी पाए जाते हैं, भारत की पर्यावरणीय और जलवायु परिस्थितियों को विनियमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालाँकि, इन पहाड़ों को जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक दोहन और प्रदूषण से बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जो जैव विविधता और उन पर निर्भर लोगों की भलाई को खतरे में डालते हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस (11 दिसंबर) पर इन चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए, पर्यावरणविदों का कहना है कि वन आवरण को बढ़ाना जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए सबसे अधिक लागत प्रभावी और व्यावहारिक उपायों में से एक हो सकता है। यह हिमालयी क्षेत्र में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहाँ वन कार्बन अवशोषण और भंडारण के लिए आवश्यक हैं, जो क्षेत्र के कुल कार्बन का लगभग 62 प्रतिशत रखते हैं।

Get $20,000 for New Clients Register Now

“भारतीय हिमालय क्षेत्र वैश्विक औसत से अधिक तापमान वृद्धि दर का अनुभव कर रहा है, जिससे ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। सामाजिक उद्यम ग्रो-ट्रीज डॉट कॉम के सह-संस्थापक और पर्यावरण चैंपियन प्रदीप शाह कहते हैं, "यह सीधे तौर पर वन क्षेत्र के महत्वपूर्ण नुकसान से जुड़ा है, भारत के हिमालयी राज्यों में 1,072 वर्ग किलोमीटर वन का नुकसान हुआ है।" क्षेत्र में वनीकरण प्रयासों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, श्री शाह कहते हैं कि ग्रो-ट्रीज डॉट कॉम ने पहले ही 'ट्रीज+ फॉर द हिमालयाज प्रोजेक्ट' शुरू कर दिया है, जिसे नैनीताल के 17 गांवों और उत्तराखंड के अल्मोड़ा के छह गांवों में लागू किया जा रहा है। इस पहल के तहत आंवला, बांज, बकियन, भटूला, भीमल, मजुना, ग्लौकस ओक, जामुन, हिमालयन शहतूत और इंडियन हॉर्स चेस्टनट सहित चार लाख पेड़ लगाए जाएंगे। हिमालयी क्षेत्र पर केंद्रित ऐसी परियोजनाएं कार्बन को अलग करने और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की लचीलापन बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। वन क्षेत्र का विस्तार जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के प्रति क्षेत्र की भेद्यता को कम करने में भी मदद करता है। श्री शाह कहते हैं, "पेड़ लगाने की प्रक्रिया के हर चरण में स्थानीय समुदायों को सक्रिय रूप से शामिल करके, हम भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्वत श्रृंखलाओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकते हैं।" स्थानीय समुदायों पर परियोजना के परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में, नथुवाखान गांव के रेंज अधिकारी प्रमोद कुमार कहते हैं कि इस पहल ने न केवल परिदृश्य को सुंदर बनाया है, बल्कि कई ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी प्रदान किए हैं। अधिकारी कहते हैं, "पौधे लगाने से वन क्षेत्र को फिर से भरने में मदद मिली है, जिससे क्षेत्र की जैव विविधता में सुधार हुआ है। हमें अपने समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए इस तरह की और पहल की आवश्यकता है।" बरेथ गांव के 52 वर्षीय निवासी भीम सिंह का मानना है कि हिमालय के लिए पेड़+ परियोजना से उनके समुदाय को बहुत लाभ हुआ है। भीम सिंह कहते हैं, "इसने आय का एक स्रोत प्रदान किया है और हमारे क्षेत्र में वन क्षेत्र को बढ़ाने के साथ-साथ हमारी आजीविका का समर्थन करने में मदद की है, जो पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है। हमें खुशी है कि हम इस तरह की वृक्षारोपण गतिविधियों के माध्यम से प्रकृति में योगदान करने में सक्षम थे।"

Have something to say? Post your comment

Name *

Email/Mobile

Comments *

SUBMIT

: स्वस्थ और आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वच्छता महत्वपूर्ण कड़ी – डॉ पी सी पंचारिया

: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2025: राजस्थान में तीन दिवसीय भव्य आयोजन का शुभारंभ

: बीकेबीआईईटी, पिलानी में बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर एक दिवसीय सत्र

: बीकेबीआईईटी, पिलानी में "एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम संपन्न

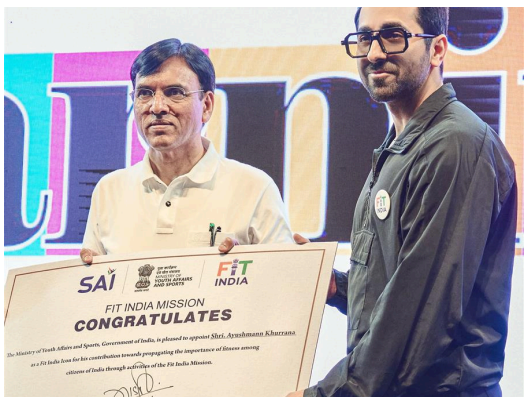

: आयुष्मान खुराना बने ‘फिट इंडिया आइकन’

: सीरी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

: बिरला शिशु विहार, पिलानी में गोल्डन कार्निवाल का आयोजन

: 2 मार्च सुबह 8:15 बजे श्याम रंग में रंगेगा पिलानी से सूरजगढ़ धाम के लिए रवाना होगी निशान पदयात्रा

: बिरला पब्लिक स्कूल विज्ञान सप्ताह का जिज्ञासा और उत्साह के साथ हुआ आयोजन

: सीएसआईआर-सीरी में एमएसएमई प्रायोजित "उद्यमिता जागरूकता कार्यशाला" का आयोजन

Gallery

MORE PHOTOS

द' सरगोधा सोसाइटी सेक्टर 50 में होली को लेकर खूब मस्ती

हरियाणा स्पोर्ट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का गर्मजोशी से स्वागत

प्राचीन कला केंद्र द्वारा आज यहाँ केंद्र के एम एल कौसर सभागार में सरस्वती पूजा और वसंत पंचमी का आयोजन किया गया

हरियाणा के राज्यपाल ने प्रसिद्ध कथा वाचक दया किशोरी का पुष्प भेंट कर अभिवादन किया

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने नाडा साहिब गुरुद्वारा में माथा टेका

- नेशनल
- स्पोर्टस

- हेल्थ
- Haryana
- एजुकेशन
- फीचर्स
- विविध / कथा कहानी

- About us
- Contact us
- Terms & Conditions
- Privacy Policy
- Disclaimer

- प्रेस विज्ञप्ति
- टेक्नॉलॉजी

- पंजाब
- हरियाणा
- हिमाचल प्रदेश
- नई दिल्ली

EMAIL : EDITOR@ABHITAKNEWS.COM

Copyright © 2025 **Abhitak News.** All Rights Reserved.